

JAN
SATYAGRAH
.in

Your Point of
View to Beat
Lies & Cries

Home

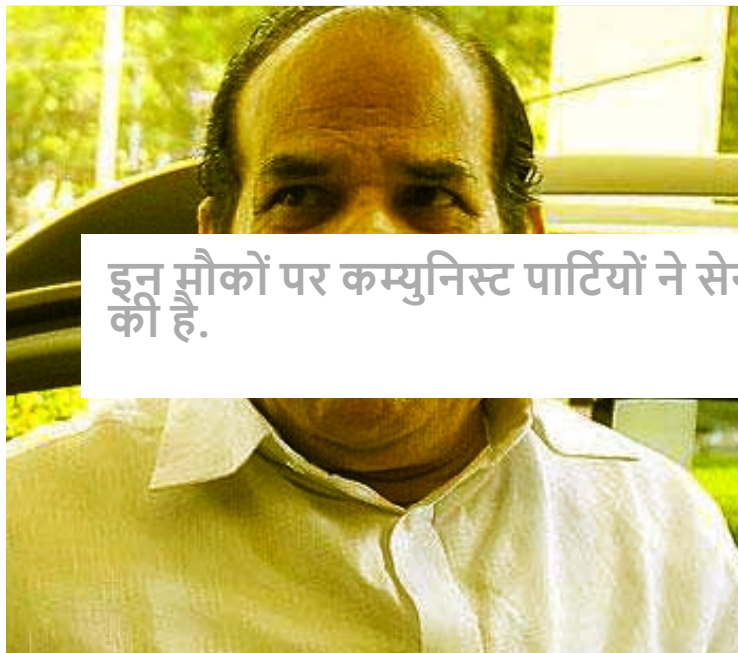
Quick View

Core Issues

Explore

Follow 3,279 followers

Search...



इन मौकों पर कम्युनिस्ट पार्टियों ने सेना को गाली दी है, देश की खिलाफत की है.



Image credit: Aurn Shourie Book - The Only Father Land

In #JS_DIGEST

May 30, 2017

5 minutes read



Abhishek Singh

3510

Total
Engagement

Top Picks



**Matter-Of-Fact: The
Reluctance By State Govts
For Police Reforms**

Jan-Satyagrah Desk



**The Importance Of
Protecting Our Gurus**

Rajiv Malhotra



**यूनिफार्म सिविल कोड से क्यों
डरें ?- कमर वहीद नकवी**

Jan-Satyagrah Desk



**Intellectual Militancy -
The Another Kind Of
Terrorism**

Jan-Satyagrah Desk

केरल की सत्ताधारी पार्टी सीपीआई(एम) के नेता और मुख्यमंत्री के सचिव कोडियारी बालकृष्णन ने बयान दिया है कि सेना किसी भी महिला का अपहरण और रेप कर सकती है. ये बात कहकर वामपंथियों अपना पॉलिटिकल सूसाइड लगभग तय कर लिया है. भारतीय सेना का मनोबल कमजोर करने के लिए या यूं कहें कि एक तरह से गाली देना शायद यह कम्युनिस्टों के अथक प्रयासों से में से ये एक हो सकता है लेकिन यह पहला वाक्या नहीं जब कम्युनिस्टों ने सेना के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया हो. देश में लोकतान्त्रिक रूप से न्यून हुआ लेफ्ट इस दिनों सेना की मुखालिफत करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है.

पिछले साल जेएनयू की घटना तो याद ही होगी, जब कम्युनिस्टों के नए ब्रांड- एम्बेसेडर **कन्हैया कुमार** के नेतृत्व में कश्मीर की आजादी, भारत की बर्बादी और अफजल गुरु के समर्थन में नारे लगाये गए थे. कन्हैया ने उन दिनों सेना पर जहर उगलते हुए बयान दिया था कि, **“कश्मीर में सुरक्षा बालों द्वारा महिलाओं का बलात्कार किया जाता है.”**

इससे पहले भी कम्युनिस्ट विचारधारा से भरे अर्बन नक्सलवाद के गढ़ जेएनयू में जनवरी 2015 को 'इंटरनेशनल फूड फेस्टिवल' के बहाने कश्मीर को अलग देश दिखाकर उसका अलग स्टाल लगाया था. साल 2010 में जब पूरा

Video

देश छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलवादियों की गोलियों से शहीद हुए 76 सीआरपीएफ जवानों के शहादत में गमगीन था तब जेएनयू में जवानों की मौत का जश्न मनाया जा रहा था.

वर्ष 2000 में भी एक मुशायरे में कारगिल युद्ध के हीरो रहे सेना के दो अफ़सरों के साथ बदसलूकी करने की घटना भी सामने आई थी. इस मौके के लिये इनवाईट किये गए पाकिस्तानी शायर ने भारत का मज़ाक उड़ाते हुए कुछ शायरियाँ पेश की थी की जिसका सेना के उन अफ़सरों ने विरोध किया था.

माओत्से तुंग भारत का प्रधानमंत्री

कम्युनिस्ट पार्टियों ने 1962 में चीन के तानाशाह **माओत्से तुंग** द्वारा भारत पर किए गए हमले का पुरजोर समर्थन किया था और कम्युनिस्टों दने चीनी सेना द्वारा भारत के करीब छह हजार सैनिकों की हत्या करने पर खुशियां भी मनाई थीं. इतना ही नहीं कम्युनिस्टों ने **जवाहर लाल नेहरू** की जगह माओत्से तुंग को भारत का प्रधानमंत्री कहना शुरू कर दिया था.

नेताजी सुभाष बोस - तोजो का कुत्ता

कम्युनिस्ट हमेशा से परोक्ष और अपरोक्ष तरीके से अंग्रेजों के हिमायती रहे और स्वतंत्रता के आंदोलनों में अंग्रेजों की चाटुकारिता करते रहे. दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हिंदेकी तोजो जब जापान के प्रधानमंत्री थे उस समय अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने के लिए सुभाष चंद्र बोस ने जापान से सहायता ली थी. इस पर कम्युनिस्टों ने बोस को "तोजो का कुत्ता" और देशद्रोही करार कर उनके खिलाफ आंदोलन चलाया था. अपने जर्नल्स '**पीपुल्स वार**' में टारगेट करते हुए कार्टून्स भी छापे.



Subhas Bose as a midget being led by Japanese imperialists: 'People's War,' 26 September, 1943.

फ़ासिस्ट सरदार पटेल



गरीबों का धर्मान्तरण हो रहा है तो गलती सरकार की है?



जेएनयू के ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों अब दोबारा मत पूछना बलूचिस्तान का मसला क्या है?



यदि कश्मीर को आजाद कर दिया जाये तो पाकिस्तान का अगला कदम क्या होगा?

जनवरी 1948 में सीपीएम के संस्थापक नेता **पुचालापल्ली सुंदरय्या** ने एक बयान देते हुए सरदार पटेल पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत में फासीवादी शासन को कायम करने के लिए महात्मा गाँधी की हत्या की योजना बनाई थी.

मुस्लिम लीग का समर्थन

भारत की आजादी के समय कोम्युनिस्टों ने पाकिस्तानी मूवमेंट और मुस्लिम लीग का खुले दिल से समर्थन किया था. समर्थन की पुष्टि उस समय के कद्दावर कम्युनिस्ट नेता **पूरण चंद जोशी** करते हैं.

लेनिन वर्सेज गाँधी में गाँधी इज फेलियर

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इण्डिया के संस्थापकों में शामिल रहे श्रीपद डांगे ने **लेनिन वर्सेज गाँधी** का परचा बाँटकर गाँधी जी को लेनिन की तुलना में एक असफल नेता बताने की कोशिश की थी. कम्युनिस्ट पार्टियाँ जो कभी-कभी अपने बचाव में गाँधीवाद की गोद में जा बैठती हैं और दूसरों को गोडसे का फोलोवर दशाने की जद्दोजहद में खून-पसीना एक कर देती हैं लेकिन अपनी इसी दो-मुह्री राजनीति से बाज नहीं आती हैं.

जेपी के ऊपर भी भद्दे कार्टून छापे

कम्युनिस्ट पार्टियों ने अपने गिरे हुए स्तर तक जाकर भारत की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लाने वाले जय प्रकाशनारायण को भी अपना शिकार बनाया. अपने कार्टून्स में गाँधीजी को कंगारू माँ बताकर जेपी को कंगारू का बच्चा दिखाकर बचने के लिए छुपते हुए बताया.



रेड 'महात्मा' विद गन – कानू सान्याल

नक्सलबाड़ी हिंसक आन्दोलन के अगुवा रहे कानू सान्याल देश के व्यवस्था के खिलाफ रक्त रंजित क्रांति करना चाहते थे.

अरुंधती रॉय समेत लेफ्ट के तमाम नुमाईन्दे विगत वर्षों से देश-विदेशों के प्लेटफॉर्म पर इस बात का ढिंढोरा पीटते रहते हैं कि आजाद होने से लेकर भारत ने अपने सूदूरवर्ती इलाकों नार्थ-ईस्ट, जम्मू-कश्मीर, हैदराबाद सेना के बलबूते कब्ज़ा किया हुआ है और आर्मी एक्ट (APFSA) के जरिये इसे यथावत रखा हुआ है.

कम्युनिस्ट पार्टियां - अपने गिरेबां में झांक कर देखें !

सेना की कार्यवाही से जहाँ आम देशवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है वही देश में ये तबका ऐसा है जो खुद को बहुत असहज महसूस करता है. ये वही लोग हैं जो राष्ट्रवाद में विश्वास नहीं रखते, क्रांतिकारी और आतंकवादी में फर्क नहीं समझते, माओवादी, नक्सलवादी और जिहादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं.

नक्सलवादियों को आर्थिक एवं राजनैतिक सहायता के पैरोकार वामपंथी भूल जाते हैं कि उन्हीं की कॉमरेड सेना आये दिन बन्दूक की नोक पर महिलाओं को नक्सवादी बनने पर मजबूर करती है और इंकार करने पर सामूहिक बलात्कार किये जाते हैं. गत दिसंबर में बिहार के पश्चिमी चंपारण से एक ऐसी ही घटना सामने आई जब 30 वर्ष की एक महिला पर नक्सली बनने का दबाव बनाया गया और इंकार करने पर नक्सली महिला को घर से उठा कर सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम दिया गया.

2011 में झारखण्ड के लोहरदगा से गिरफ्तार की गई महिला नक्सली कमांडर **सुनीता** उर्फ शांति ने नक्सल आंदोलन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पुरुष नक्सली कमांडर महिला नक्सलियों का बंदूक की नोक पर यौन शोषण करते हैं और उन्हें नक्सली गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है. सुनीता ने बताया कि, “शायद ही कोई महिला स्वेच्छा से नक्सली बनती है. घाघरा गांव की रहने वाली पूनम कुमारी को भी यौन शोषण से बदहाल होने पर भागने का प्रयास करते समय उसने पुरुष कमांडरों के आदेश पर स्वयं को स्टेनगन से गोली मार दी थी जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी. पिछले दिनों इन्हीं नक्सलियों ने झारखण्ड में पुलिस के जवानों को पानी पिलाने के जुर्म में आंगनबाड़ी सेविका के कान काट दिए थे.

हालिया उदाहरण भी लें तो कम्युनिस्ट पार्टियों के दिल्ली के निगम के चुनावों में भी दहाई की संख्या से आगे वोट हासिल ना कर पायीं. लोकतांत्रिक तरीके से कम्युनिस्ट पार्टियों की हैसियत अब ना के बराबर रह गयी है और अब देश इनके प्रपंचो को ज्यादा सहने वाला नहीं है.

SHARE:

FACEBOOK

TWITTER

GOOGLE+

#Communists

#Left

#Lenin

#Indian Army

#AFPSA

#JS_DIGEST

Write Your Comments



Our Articles



Yoga: Freedom From The Perspective Of History



How The Profit Of Land Is Diverted Into Industries Or Charity?



Media Cronyism : This Is What Prannoy Roy And Friends Gag Their Mouths For?

About Jan-Satyagrah

Jan-Satyagrah - a digital media platform that accommodates the congeries of fiery thoughts, real issues, investigations, and litigations.

Twitter

Facebook

Email

editor@jansatyagrah.in
moderator.jansatyagrah@gmail.com

Whatsapp Number *

[Join Whatsapp](#)**Tweets** by @Jan_Satyagrah

**Jan-Satyagrah**
@Jan_Satyagrah

The amount of importance given to @OfficeOfRG by @TOIndiaNews ndtv etc. is a proof that many Indians prioritize entertainment over nation.

01 Jul

**Jan-Satyagrah**
@Jan_Satyagrah

Shameful

28 Jun

[Embed](#)[View on Twitter](#)